विद्यार्थियों का दौरा :

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में प्रकाशनाधीन अवधि में विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक दौरा किया तथा रेशम कीटपालन एवं रेशम उत्पादन संबंधी क्रियाकलापों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम :

स्थानांतरण होकर आए वैज्ञानिकों के लिए तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम दिनांक 05-09-2018 से 07-09-2018 तक आयोजित किया गया जिसमें तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी।

आतंक निरोधी दिवस का आयोजनः

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,बिलासपुर एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों में दिनांक 21 मई 2018 को आतंक निरोधी दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आतंकवाद निरोधी शपथ ग्रणह की।

मीडिया कवरेज :

प्रकाशनाधीन अवधि में बुतरेबीसं, बिलासपुर एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों में आयोजित विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों की मीडिया कवरेज एवं बुतरेबीसं कार्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के तकनीकी लेख स्थानीय अखबारों जैसे; दैनिक भास्कर, प्रभात खबर आदि में प्रकाशित किए गए जिसका विवरण निम्नामनुसार है :

प्रभात खबर

कोसा उत्पादन के लिए नयी तकनीक अपनायें : सुनील शर्मा

झारखंड के बाद छत्तीसगढ़ राष्ट्र में तसर कोसा उत्पादन में दूसरे स्थान पर है

रेशम से बुन रहे जिंदगी का ताना-बाना

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रखने हेतु प्रोत्साहित करता है।

सेवानिवृत्ति	स्थानांतरण	कार्य ग्रहण
श्री यू. एन. सिंह, वैज्ञानिक – डी (31-05-2018)	श्री हिमांशु शेखर राय, वरिष्ठ अनुवादक (हिन्दी) (30-09-2018)	डॉ. आर. बी. सिन्हा, वैज्ञानिक - डी (21-06-2018)
श्री के. बी. राय, सहायक अधीक्षक (प्रशासन) (31-05-2018)		श्री ओ. एन. शर्मा, सहायक निदेशक (प्र. व ले.) (16-04-2018)
श्री बी. एन. नायक, वैज्ञानिक – डी (30-06-2018)		
डॉ. बी. डी. दास, वैज्ञानिक – डी (30-06-2018)		श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी) (25-09-2018)
डॉ. बी. के. सिंघल, वैज्ञानिक – डी (31-07-2018)		
श्री श्रीराम पोरते, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (31-07-2018)		

संरक्षण एवं प्रकाशन
डॉ. आर. बी. सिन्हा
निदेशक (प्रभारी)

संपादन
डॉ.एम.एस.राठौड़, वैज्ञानिक - सी
डॉ. चन्द्रशेखरैय्या, वैज्ञानिक - बी

तकनीकी सहयोग
श्री बैद्यनाथ मिश्रा, तकनीकी सहायक
श्री किरण कुमार मोदक, तकनीकी सहायक

संकलन व संपादन सहयोग
श्री फूल सिंह लोधी
कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)

प्रकाशकः निदेशक, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया- गनियारी, बिलासपुर-495112 (छत्तीसगढ़), दूरभाषः 07752-291736, 291735 फैक्सः 07752-291735, ई-मेलः btssobil.csb@nic.in, वेबसाइट : www.btsso.org

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,
पेण्डारी, बिलासपुर (छ.ग.)

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका

खण्ड 4 | अंक -1 | अप्रैल - सितम्बर 2018

निदेशक की कलम से ....

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका के इस अंक को प्रकाशित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी एक महत्वपूर्ण संगठन है। इस संगठन कार्यालय के हिन्दी भाषी क्षेत्र में स्थित होने के कारण अधिकांश रेशमकीट पालकों से उनकी मातृ भाषा में तकनीकी संवाद स्थापित करने में यह पत्रिका संवाद सेतु का कार्य कर रही है। इसके साथ ही राजभाषा नीतियों के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए भी इस पत्रिका के प्रकाशन की महत्ता बढ़ जाती है।

मैं प्रकाशनाधीन अवधि में किए गए मुख्य -मुख्य कार्यों को आपसे साझा करना चाहता हूँ। उक्त अवधि में 02 हिन्दी कार्यशालाओं, 02 राजभाषा कर्यान्वयन समिति की बैठकों एवं हिन्दी दिवस तथा पखवाड़े का आयोजन किया गया तथा मानव संसाधन विकास कार्यक्रम एवं प्रक्षेत्र दिवस/ जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसके अलावा बीज कार्ययोजना की बैठक, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, संसाधन विकास कार्यक्रम एवं तकनीकी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया साथ ही स्वच्छता पखवाड़े, अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन तथा प्रेरणात्मक व्याख्यान माला की शुरूआत की गयी। उक्त अवधि में संगठन द्वारा 34.15 लाख बीज का उत्पादन किया गया है।

मैं, इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए हिन्दी अनुभाग का तथा सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता हूँ। पत्रिका को और अधिक सूचनात्मक एवं उपयोगी बनाने के लिए तसर रेशम उत्पादन से जुडे सभी पाठकों के सृजनात्मक सुझावों का स्वागत रहेगा। शुभकामनाओं सहित।

डॉ.आलोक सहाय, निदेशक

बुतरेबीसं, बिलासपुर की अप्रैल से सितम्बर 2018 तक की मुख्य उपलब्धियां

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन (बीटीएसएसओ) दस तसर उत्पादक राज्यों में स्थित 18 बुनियादी बीज प्रगुणन व प्रशिक्षण केन्द्रों (बीएसएमटीसी), एवं एक केन्द्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र (सीटीएसएसएस), कोटा को तसर रेशमकीट बीज में सहयोग हेतु निरन्तर कार्यरत है।

- इस दौरान 125 लाख बीज कोसे की प्रक्रिया की गई एवं 34.15 लाख रोग मुक्त चकत्ते का उत्पादन किया गया (बुनियादी बीजः 17.03 लाख एवं नाभिकीय बीजः 17.12 लाख)
- दस तसर उत्पापदक राज्यों में अभी तक कुल 33.50 लाख रोग मुक्त चकत्ते की आपूर्ति की गई है।
- विभागीय कीटपालन के तहत 25 लाख बीज कोसे के उत्पादन के लिए 0.77 लाख रोमुच का कीटपालन किया गया।
- अभिग्रहित कीटपालकों से 2.65 लाख रोमुच कीटपालित किए गए जिससे 150 लाख कोसों का उत्पादन किया गया।
- भागलपुर (बिहार), खरसवां (झारखंड), मधुपुर(झारखंड), केन्दुझर (ओडिशा), अंबिकापुर (छ.ग.) तथा बालाघाट के कलस्टरों में वन्य समूह उन्नयन कार्यक्रम (वीसीपीपी) किए गए।
- 05 बुबीप्रवप्र केन्द्रों चिन्नूर, काठीकुंड, बस्तर, भंडारा, नबरंगपुर एवं सीटीएसएसएस, कोटा 9001-2015 आईएसओ प्रमाणित इकाइयां हैं।
- तसर रेशम कृषकों में सामान्य जागरूकता हेतु रेडियो कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- बुतरेबीसं बिलासपुर की अधीनस्थ इकाइयों द्वारा ग्राम के अभिग्रहित कृषकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
- रोग मुक्त चकत्तों एवं फोकी कोसों की बिक्री से सितम्बर 2018 तक रू. 1.48 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति हुई।

राजभाषा कार्यान्वयन

1. हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन :

बुतरेबीसं, बिलासपुर में दिनांक 29-05-18 एवं 10-09-2018 को हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं में क्रमशः शुद्ध वाक्य बनाने, गुगल हिन्दी इंडिक इनपुट, हिन्दी में मेल भेजने तथा कार्यालयी कार्यों में सरल हिन्दी का प्रयोग एवं हिन्दी की वर्तनीगत अशुद्धियों आदि पर अतिथि बक्ताओं द्वारा व्याख्यान एवं प्रशिक्षण दिया गया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन :

संगठन कार्यालय में दिनांक 16-07-2018 एवं 25-09-2018 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया गया तथा संगठन कार्यालय तथा अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की गयी एवं लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की गयी।

3. पखवाड़े एवं हिन्दी दिवस का आयोजन :

संगठन कार्यालय में दिनांक 01-09-2018 से 14-09-2018 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया तथा दिनांक 14-09-2018 को पखवाड़े का समापन समारोह एवं हिन्दीं दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर पखवाड़े के दौरान आयोजित हिन्दी प्रयोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

4. राजभाषा निरीक्षण :

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय की 03 अधीनस्थ इकाईयों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया तथा समीक्षा रिपोर्ट संबंधित कार्यालय एवं केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित की गयी।

स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, पेंडारी, बिलासपुर में दिनांक 15.09.2018 से 02-10-2018 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के आहवान पर किया गया। उक्त पखवाड़े का उदेश्यय जन-सामान्य में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना और इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. आलोक सहाय, निदेशक, बुतरेबीसं, बिलासपुर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने दैनिक जीवन में एवं रेशमउत्पादन के क्षेत्र में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश प्रकाश डाला। पखवाड़े के दौरान बुतरेबीसं, बिलासपुर एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों में भी स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा दिनांक 2 अक्टूबर, 2018 को स्वच्छता पखवाड़े का समापन समरोह आयोजित किया गया।

तकनीकी बैठकें /कार्यक्रम

1. बीज कार्ययोजना की बैठक :

दिनांक 04-05-2018 को आयोजित बीज कार्ययोजना की बैठक में सभी 10 राज्यों के नाभिकीय एवं मूल बीज संबधी आवश्यकताओं की कार्ययोजना एवं विजन 2030 के अनुसार रेशमकीट बीज की आपूर्ति करने हेतु मांग पत्र पर कार्य योजना तैयार की गयी।

2. अर्द्ध वार्षिक समीक्षा बैठक :

दिनांक 30-05-2018 को बुतरेबीसं, बिलासपुर में अधीनस्थ इकाइयों की समीक्षा बैठक का आयोजन डॉ. आलोक सहाय, निदेशक की अध्यक्षता में किया गया। उक्त बैठक में संगठन कार्यालय एवं अधीनस्थ इकाइयों के तकनीकी कार्यों एवं प्रशासनिक कार्यों के निर्धारित लक्ष्य एवं प्राप्त लक्ष्यों की इकाईवार समीक्षा की गयी एवं अगले वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना बनाई गयी।

3. तकनीकी जागरूकता कार्यक्रम :

राज्यों की बीज क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर अग्र परियोजना केन्द्रों के अधीन अभिग्रहीत कृषकों को तकनीकी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, काठीकुण्ड, झारखण्ड में दिनांक 12-09-2018 को तकनीकी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में उत्पादकता बढ़ाने हेतु व्यवस्थित तसर कीटपालन, गुणवत्ता बीज उत्पादन, तसर कीट पौधरोपण का रखरखाव, रेशमकीट रोग प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया।

4.संसाधन विकास कार्यक्रमः

दिनांक 06-08-2018 से 11-08-2018 तक संसाधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला जांजगीर चापा में चल रहे सॉयल टू सिल्क परियोजना के तहत राज्य रेशम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

5. रोग अनुवीक्षण कार्यक्रम :

रोग अनुवीक्षण समिति द्वारा बुतरेबीसं की इकाइयों में संग्रहित कोसा का परीक्षण किया गया। तथा तत्संबबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

प्रेरणात्मक व्याख्यान माला की शुरूआत :

प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करने हेतु विभिन्न कार्यालय उपयोगी विषयों पर प्रेरणात्मक व्याख्यान माला की शुरूआत की गयी। जिसमें संगठन कार्यालय के डॉ बी के सिंघल, वैज्ञानिक- डी ने साइबर क्राइम, डॉ. महेन्द्र सिंह राठौर, वैज्ञानिक – सी ने समय प्रबंधन एवं श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक ने अंतरजाल एवं हिन्दी का समन्वयन विषय पर पावर प्वाइंट के माध्यम से हिन्दी में व्याख्यान दिया।

अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन :

दिनांक 21 जून 2018 को बुतरेबीसं, कार्यालय में अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया तथा उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह :

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में 15 अगस्त 2018 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया तथा कार्यालय परिसर में ध्वज रोहण किया गया। उक्त अवसर पर निदेशक महोदय एवं वैज्ञानिकों ने स्वतंत्रता के इस राष्ट्रीय पर्व के महत्व के बारे में अपने अपने विचार व्यक्त किए।

विश्वकर्मा जयंती का आयोजन

दिनांक 17-09-2018 को संगठन कार्यालय में विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया गया तथा सभी सरकारी वाहनों की पूजा की गयी।

तकनीकी निरीक्षण :

संगठन कार्यालय के निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा अधीनस्थ इकाइयों का तकनीकी निरीक्षण किया गया तथा प्रक्षेत्र में पायी गयी कमियों को दूर करने हेतु तकनीकी मार्गदर्शन एवं सुझाव दिए गए।

सफलता की कहानी, किसान की जुबानी

राज्य रेशम विभाग के तोरना तसर फार्म में अभिग्रहित तसर कृषकों को त्रिपज प्रजाति के रोग मुक्त चकत्ते (Dfl), विगत 6-7 वर्षो से बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर द्वारा राज्य रेशम विभाग के माध्यम से आपूर्ति किया जा रहा है। साथ ही साथ इस केन्द्र द्वारा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे आज गुणवत्तायुक्त बीज कोसा उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं।

तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग के द्वारा एक सफल तसर किसान श्री ध्रुव कुमार पिता श्री दुखुराम ग्राम-संडा, जिला-रायगढ़ (छ.ग.) ने इस व्यवसाय से पिछले 15 वर्षों से जुड़े रहने का अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने लगभग 01 हेक्टेयर पौधरोपण प्रक्षेत्र में 400-450 Dfls से कीटपालन करके 101.87 कोसा/प्रति रो. मु. चकत्तें फसल प्राप्त किया। जिसका परिणाम यह रहा कि उनकी प्रति फसल आय रु. 41,740/- से 58,825/- तक हो जाती है एवं उन्होंने इस कमाई से एक पक्का घर, एक टू-व्हीलर गाड़ी भी खरीदी एवं बच्चों की अच्छी परवरिश कर रहें है और वे खुशहाली के साथ जीवन-यापन कर रहें है।

फसल	पालित रो. मु. चकत्तों की सं.	कोसा उत्पादन सं	कुल आमदनी	मानव दिवस	उपज प्रति /रो. मु. चकत्तों की सं	कीट पालन अवधि
प्रथम	400	40750	63825	87	101.87	45
द्वितीय	450	30200	46740	110	67.1	55

वर्तमान समय में वर्षा आधारित फसल जैसे धान, दलहन, तिलहन इत्यादि में वर्षा की कमी से फसल नुकसान या नष्ट होने की संभावना रहती है, लेकिन तसर कीटपालन वर्षा पर आधारित नहीं है, इसलिए वर्षा की कमी में भी इसका उत्पादन अच्छा होता है। अतः किसानों को ''तसर कीटपालन व्यवसाय'' अपनाकर अपना जीवन खुशहाल करना चाहिए।

रिपोर्ट : वैज्ञानिक''डी'' बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर (छ.ग.)

बुतरेबीसं, बिलासपुर की वेबसाइट की शुरूआत

बुतरेबीसं, बिलासपुर ने संगठन कार्यालय की द्विभाषी वेबसाइट www.btsso.org तैयार की है, उक्त वेबसाइट पर संगठन कार्यालय एवं अधीनस्थ इकाइयों की तकनीकी एवं प्रशासनिक सूचनाओं को अद्यतन रखा जाता है, तथा उक्त सूचनाओं का उपयोग रेशम कीटपालन एवं अनुसंधान से जुडे लोगों द्वारा किया जाता है।